कक्षा-6

कार्य पत्रिका-2

साहित्य-पाठ 14,15

व्याकरण- मुहावरे लोकोक्तियाँ, समुच्चयबोधक, विलोम, अनुच्छेद लेखन

1) दिए गए मुहावरों के केवल अर्थ लिखें।
   क) नमक मिर्च लगाना
   ख) पत्थर की लकीर होना
2) विलोम शब्द द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए। क) अच्छे लोग सब को अपना समझते हैं _____नहीं।(अपना)
   ख) किसान के परिश्रम से बंजर धरती अब_____बन गई है।(बंजर)
   ग) सज्जन गुण खोजते हैं जबकि दुर्जन_____देखते हैं।(गुण)
3) समुच्चयबोधक द्वारा रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।
   क) बादल घिरे_____वर्षा न हुई।
   ख) सौरभ _____ दक्ष पड़ोसी हैं।
   ग) आपको आम पसंद हैं_____संतरे।
   घ) यद्यपि उसने पेड़ लगाए_____देखभाल नहीं की।
4) लोकोक्तियों के केवल अर्थ लिखें।
   क) अपनी अपनी ढपली अपना अपना राग
   ख) होनहार बिरवान के होत चीकने पात
   ग) आगे कुआँ पीछे खाई
5) ऋतुओं का राजा किसे कहा गया है?
6) कवि अपनी माँ को किस बात की सूचना दे रहे हैं?
7) सरसों के फूल किस रंग के होते हैं?
8) वसंत का आगमन हमें क्या संदेश देता है?
9) 'प्रकृति' में 'इक' प्रत्यय जोड़कर क्या शब्द बनता है?
10) सुमन शब्द के दो पर्याय लिखें।
11) स्वयंसेवकों का दल क्या करने जा रहा था?
12) चित्रा के चित्रों की प्रदर्शनी कहाँ लगने वाली थी?
13) गर्ग स्टोर्स के सामने पेड़ के नीचे कौन बैठी रहती थी?
14) अरुणा और चित्रा में से चित्रकार कौन थी?
15) केवल अर्थ लिखें।
    व्यस्त,शोहरत
16) अर्थ लिखकर अंतर स्पष्ट करें।
    दिन/दीन

17) ‘वि’उपसर्ग से बना कोई एक शब्द लिखें।

18) कला को जानने वाला (एक शब्द लिखें)

19) जहाँ हम पढ़ने जाते हैं, उस जगह को क्या कहते हैं?

20) ‘आयोजन’ में ‘इत’ प्रत्यय जोड़कर नया शब्द क्या बनता है?